समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 31 August 2026

शेड से शुरू हुआ सफर, आज हर दिन 9 लाख प्लास्टिक-मुक्त कप का निर्माण : Green Habits Technologies ने बनाई पर्यावरण संरक्षण की नई मिसाल

Sanket Morankar

Published on 16 Jul 2026

आज जब पूरी दुनिया प्लास्टिक प्रदूषण की गंभीर चुनौती से जूझ रही है, ऐसे समय में महाराष्ट्र के नागपुर से एक भारतीय कंपनी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। **Green Habits Technologies (GHT)** ने अपने नवाचार, गुणवत्ता और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता के दम पर प्लास्टिक-मुक्त एवं पूरी तरह कंपोस्टेबल पेपर कप निर्माण के क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित की है।

Mr. Premkiran Pawar, Founder & Director, तथा **Mrs. Pallavi Pawar**, Co-Founder, के नेतृत्व में संचालित Green Habits Technologies का उद्देश्य केवल एक सफल व्यवसाय खड़ा करना नहीं था, बल्कि ऐसे उत्पाद विकसित करना था जो पर्यावरण को सुरक्षित रखने में वास्तविक योगदान दे सकें।

इस प्रेरणादायक यात्रा की शुरुआत वर्ष **2013** में एक साधारण से शेड से हुई थी। उस समय कंपनी के पीछे केवल एक मजबूत विश्वास था—यदि किसी उत्पाद को "पेपर कप" कहा जाता है, तो वह वास्तव में केवल कागज से बना होना चाहिए, उसमें प्लास्टिक की परत नहीं होनी चाहिए। इस विचार को वास्तविकता में बदलने के लिए वर्षों तक लगातार अनुसंधान, प्रयोग, असफलताएं और अथक मेहनत करनी पड़ी।

लगातार प्रयासों के बाद वर्ष **2018** में नागपुर में **Green Habits Technologies** की औपचारिक स्थापना हुई। आज यह मध्य भारत की पहली और एकमात्र ऐसी कंपनी है, जो एक ही परिसर में **Water-Based Barrier Coating** विकसित करने के साथ-साथ पूरी तरह कंपोस्टेबल पेपर कप का निर्माण भी करती है।

सामान्य रूप से बाजार में उपलब्ध अधिकांश पेपर कप के अंदर प्लास्टिक (PE) की परत होती है, जिसके कारण वे पूरी तरह रिसायकल या कंपोस्ट नहीं हो पाते। Green Habits Technologies ने इस समस्या का समाधान खोजते हुए पारंपरिक

प्लास्टिक लाइनिंग के स्थान पर **Water-Based Barrier Coating Technology** विकसित की। यह तकनीक पूरी तरह **Plastic-Free, PFAS-Free और Compostable** है तथा उत्पाद की मजबूती और गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं करती।

कंपनी का यह नवाचार केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वर्तमान में Green Habits Technologies प्रतिदिन लगभग **9 लाख कंपोस्टेबल पेपर कप** का उत्पादन कर रही है, जिससे हर महीने लगभग **30 टन प्लास्टिक** के उपयोग को रोका जा रहा है। वार्षिक स्तर पर यह आंकड़ा लगभग **360 टन प्लास्टिक** तक पहुंच जाता है, जो लैंडफिल और समुद्रों में जाने वाले प्लास्टिक कचरे को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कंपनी का मानना है कि छोटे-छोटे बदलाव ही बड़े पर्यावरणीय परिवर्तन का आधार बनते हैं। प्रत्येक प्लास्टिक-मुक्त कप भविष्य की स्वच्छ और टिकाऊ दुनिया की ओर एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण कदम है।

Green Habits Technologies ने अपने उत्पादों की गुणवत्ता और पर्यावरणीय मानकों को केवल दावों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें विभिन्न राष्ट्रीय प्रमाणपत्रों के माध्यम से प्रमाणित भी कराया है। कंपनी के उत्पादों को **CIPET Compostability Test**, **Maharashtra Pollution Control Board (MPCB) Green Category Certification**, **ISO 9001 Quality Certification** तथा **Central Pollution Control Board (CPCB) EPR Registration** जैसी महत्वपूर्ण मान्यताएं प्राप्त हैं। ये प्रमाणन कंपनी की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को प्रमाणित करते हैं।

पिछले तेरह वर्षों की यात्रा Green Habits Technologies के लिए केवल व्यावसायिक विकास की कहानी नहीं है। यह संघर्ष, निरंतर सीखने और नवाचार की कहानी भी है। शुरुआती वर्षों में कई उत्पादन बैच असफल रहे, तकनीकी चुनौतियां सामने आईं और अनेक बार नए प्रयोग करने पड़े। लेकिन हर असफलता ने टीम को बेहतर समाधान खोजने की प्रेरणा दी।

Founder **Mr. Premkiran Pawar** का मानना है कि यदि किसी परिवर्तन को स्थायी बनाना है तो उसके पीछे मजबूत तकनीक, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और समाज के प्रति स्पष्ट जिम्मेदारी होनी चाहिए। इसी सोच ने Green Habits Technologies को केवल एक विनिर्माण कंपनी नहीं बल्कि एक पर्यावरणीय आंदोलन का हिस्सा बना दिया है।

Co-Founder **Mrs. Pallavi Pawar** ने भी कंपनी की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संगठनात्मक प्रबंधन, गुणवत्ता नियंत्रण और सतत विकास की रणनीतियों को मजबूत बनाने में उनका योगदान कंपनी की निरंतर प्रगति का महत्वपूर्ण आधार रहा है।

आज Green Habits Technologies केवल उत्पाद नहीं बना रही, बल्कि लोगों में प्लास्टिक-मुक्त जीवनशैली के प्रति जागरूकता भी बढ़ा रही है। कंपनी का लक्ष्य ऐसे समाधान विकसित करना है जो उद्योगों, व्यवसायों और आम नागरिकों को पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित करें।

वैश्विक स्तर पर बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों और सिंगल-यूज प्लास्टिक पर बढ़ते प्रतिबंधों के बीच Green Habits Technologies का मॉडल भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरा है। कंपनी यह साबित कर रही है कि आधुनिक तकनीक, अनुसंधान और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ व्यवसायिक सफलता और सामाजिक उत्तरदायित्व दोनों को साथ लेकर चला जा सकता है।

भविष्य को लेकर कंपनी की दृष्टि और भी व्यापक है। Green Habits Technologies आने वाले वर्षों में अपने पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों की पहुंच देशभर के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रही है। साथ ही, नई ग्रीन टेक्नोलॉजी और सतत विनिर्माण समाधानों के विकास पर भी निरंतर निवेश किया जा रहा है।

आज **Green Habits Technologies** यह संदेश दे रही है कि प्लास्टिक-मुक्त भविष्य केवल एक कल्पना नहीं, बल्कि वर्तमान में संभव और व्यवहारिक वास्तविकता है। वर्ष 2013 में एक छोटे से शेड से शुरू हुई यह यात्रा आज प्रतिदिन लाखों प्लास्टिक-मुक्त कपों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का मजबूत अभियान बन चुकी है।

Mr. Premkiran Pawar और उनकी टीम ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि संकल्प मजबूत हो, नवाचार निरंतर हो और उद्देश्य

समाज व पर्यावरण के हित में हो, तो एक छोटी शुरुआत भी राष्ट्रीय स्तर पर परिवर्तन की बड़ी मिसाल बन सकती है। Green Habits Technologies आज केवल एक कंपनी नहीं, बल्कि भारत के स्वच्छ, हरित और टिकाऊ भविष्य की दिशा में बढ़ता हुआ एक सशक्त कदम है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.